Ph. No. 0522 2635513
Email:- bsnvpg.iqac@gmail.com

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय (के0के0वी0)
स्टेशन रोड, चारबाग, लखनऊ – 226001

आईक्यूएसी मीटिंग मिनट्स

Date:- 11-03-2021

Event:- IQAC Meeting

Title :- Related to Qualiy Management

Venue:- BSNVPG College, Chemistry Seminar Hall, Lucknow

Presided by:- Sri. Ratnakar Shukla (Manager)

On Dias:- , Sri. Rakesh Chandra (Principal, BSNVPG College, Lucknow) , Dr. Ram Kumar Tiwari (coordinator), Member of IQAC:- Dr. Sanjay Mishra, Dr. DK Srivastava, Dr. Jyoti Kala, Dr. NK Awasthi, Dr. Rajiv Dixit, Dr. OPB Shukla, Dr. GK Mishra, Dr. Sanjiv Shukla, Dr. DK Rai, Dr. GK Mishra,

ट्रिपल सी कोर्स पर विचार

प्राचार्य जी ने ट्रिपल सी कोर्स की जानकारी देते हुए सदस्यों से इसे बेहतर बनाने के सुझाव मांगे। डॉ ओपीबी शुक्ला ने बताया कि महाविद्यालय की विद्यालय प्रवेश प्रक्रिया के साथ ही ट्रिपल सी में प्रवेश की शुरूआत की जाए। राजीव दीक्षित ने इस कोर्स को वेबसाइट पर एक प्रोफेशनल कोर्स के रूप में हाईलाइट करने का सुझाव दिया। डॉक्टर संजय मिश्रा ने कहा कि यदि क्लासेज प्रॉपर तरीके से कैंपस में संचालित किए जाएं तो अधिक विद्यार्थी मिल सकते हैं। प्रबंधक महोदय ने पब्लिसिटी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस कोर्स के प्रचार–प्रसार की कार्य योजना बनाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही सभी सदस्यों ने एक मत से ओ लेवल के आवेदन पर जोर दिया जिसकी कार्य योजना बनाकर पूरा किया जाये।

महाविद्यालय के शिक्षकों के प्रमोशन के संदर्भ में वार्ता करते हुए प्राचार्य डॉ राकेश चन्द्र जी ने बताया कि प्रक्रिया चल रही है। डॉक्टर जीके मिश्रा ने जानकारी दी कि जांच पूरी हो चुकी है और एस्पोर्ट्स की सूचना भी आ गई है। जिससे इस प्रक्रिया को आने वाले समय में प्रकाशित पूरा कर लिया जायेगा।

महाविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया पर चर्चा हुई जिसमें डॉक्टर संजीव शुक्ला जी ने सुझाव देते हुए कहा कि बच्चों को कैंपस में फॉर्म भरने के लिए यदि सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो यह कॉलेज हित में होगा। डॉ नरेन्द्र अवस्थी ने ग्लो साइन बोर्ड जिसकी विजिबिलिटी अधिक रहे ऐसा अपने बाउंड्री वॉल पर लगाने का सुझाव दिया। डॉ अशोक कुमार दुबे ने स्टूडेंट सपोर्ट सिस्टम को बढ़ाने पर बल देते हुए कैंपस के भीतर फॉर्म भरने की सुविधा प्रदान करने की बात की। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री राकेश चन्द्र जी ने इन सब बातों पर तकनीकी विचार विमर्श के प्रश्चात कदम उठाने के लिए आश्वस्त किया।

महाविद्यालय में अनेकों सेल कार्यरत हैं जिनके रिपोट की सेल्फ एसेसमेंट के लिए आवश्यकता है अतः सभी सेल्स को सक्रिय करने पर बल दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य सभी सेल्स से शैक्षिक कैलेंडर में अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करने के लिए कहेंगें।

सभी सदस्यों ने आईक्यूएसी हेतु कार्यालय के होने की आवश्यकता बताई। महाविद्यालय प्राचार्य श्री राकेश चन्द्र ने बताया कि कार्यालय आवंटित किया जा चुका है जिसमें कम्प्यूटर एवं टेबल की व्यवस्था भी हो गई। उसकी सफाई और आंतरिक साज–सज्जा 29 मार्च तक पूरा कर लिया जायेगा। प्रबंधक महोदय ने आईक्यूएसी समेत प्राचार्य कक्ष एवं प्रबंधक कक्ष में एसी लगाने पर जोर दिया साथ ही निर्देशित किया कि आईक्यूएसी कक्ष कार्यालय हेतु की गई मांगों को दिनाँक समिति के सम्मुख रखा जायेगा और तेज पूरी करने की प्रक्रिया चल रही है।

महाविद्यालय की आईक्यूएसी द्वारा निर्धारित कार्य समूह की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। डॉ डीके राय ने बताया कि उनकी एक मीटिंग हो चुकी है जिसमें एक स्टूडेंट काउंसिल बनाने पर विचार हुआ और अप्रैल में एक नैक द्वारा आयोजित वर्कशॉप या सेमिनार कराने की योजना रखी गई। डॉ गोविंद कृष्ण मिश्र ने बताया कि उनकी ग्रुप की मीटिंग भी शत–प्रतिशत उपस्थिति के साथ 9 मार्च को हुइ जिसमें डेटाबेस की आवश्यकताओं पर विचार विमर्श हुआ और किस प्रकार के फॉर्म एसेसमेंट में जरूरत के हैं उसकी सूची तैयार की जा रही है। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय से प्राचार्य के माध्यम से यह आग्रह करने का सुझाव दिया कि जो हमारे विद्यार्थियों का मास्टर रोल उपलब्ध हो जाए जिससे कि पासिंग परसेंटेज निकालने में आसानी हो। ग्रुप के सदस्य डॉ विजय शंकर ने बताया कि शत–प्रतिशत उपस्थिति के साथ उनकी बैठक हुई जिसमें कॉलेज की बेंच मार्किंग हेतु मंगक निर्धारित करने पर विचार किया गया। डॉ ज्योति का ने अन्य कार्या में व्यस्त होने के कारण मीटिंग ना होने की जानकारी समिति को दिया परंतु व्यक्तिगत स्तर पर उनकी एक वार्ता सभी से हुई है जिसमें एक आईक्यूएसी का न्यूज लेटर मार्च के अंत तक निकाला जाए ऐसा विचार हुआ है। और इसकी तैयारी चल रही है। डॉ एनके अवस्थी ने बताया कि उनका विभाग बड़ा होने के कारण बार–बार मीटिंग करने में समस्याएं आती हैं फिर भी उन्होने शत–प्रतिशत उपस्थिति के साथ मीटिंग किया जिसमें जिन बिंदुओ की लिए डेटा की आवश्यकता कॉलेज से है उन्हें लिखकर एक पत्र दे दिया है। उन्होने इस बात को भी रेखांकित किया कि इस कार्य को केवल आईक्यूएसी के सदस्यों को ही करना चाहिए और जानना चाहा कि सभी लोगों को इसमें सम्मिलित किये जाने की क्या आवश्यकता है? डॉ राम कुमार ने कहा कि क्वालिटी कल्चर किसी एक के करने से नही होगा यह सभी की जिम्मेदारी है और लोकतान्त्रिक तरीके से इसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि क्राइटेरिया टू में ज्यादा सूचनाएं है और वह अभी विषय का अध्ययन कर रहे हैं इस कारण उनकी समूह की मीटिंग नही हो पाई है जिसे वह शीघ्र ही करने का प्रयास करेंगे। संजय मिश्रा ने इस बात पर भी बल दिया कि अब समय आ गया है कि महाविद्यालय की प्रगति एवं क्वालिटी के लिए कुछ कड़वे घूंट पीने होंगे। उन्होने बायोमेट्रिक से अटेंडेंस पर जोर दिया। डॉक्टर संजय मिश्रा ने इस बात की आशंका भी जाहिर की कि कहीं इस प्रकार की तैयारियों के कारण पठन–पाठन पर असर न पड़े। उनके आशंका पर आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ राम कुमार ने कहा कि अभी तैयारी का दौर चल रहा है इसलिए हम लोागों को अधिक मेहनत एवं समय लेकर मीटिंग करना चाहिउ और एक बार रोड मैप बन जाएगा तब इतनी अधिक मीटिंग करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। हमें फिर उसके ऊपर कार्य करना होगा और इसलिए रोडमैप बनाने तक अतिरिक्त श्रम एवं समय लगाकर इस कार्य को शीघ्र पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। श्री विजय कुमार ने डॉ गुंजन पाण्डेय की अनुपस्थिति में हुई ऑनलाइन मीटिंग के बारे में बताया कि इस का कार्यवृत्त भेजा जा चुका है। जिस डेटा की आवश्यकता है उसे चिन्हित किया जा रहा है। डॉ राजीव दीक्षित ने अपने ग्रुप के मेंबर की मीटिंग के पश्चात कार्यवृत्त एवं डेटा रिक्वायरमेंट आईक्यूएसी को भेज दिया है। उन्होने इंटरनेट लीज लाइन एवं कैंपस को वाई–फाई कराने का सुझाव दिया। डॉ एके दुबे ने महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को फॉर्म भरने हेतु सहयोग का एक सिस्टम बनाने पर जोर दिया। डॉक्टर दुबे को प्राचार्य के द्वारा इस योजना को कार्य रूप में प्रस्तुत करने को निर्देशित किया गया। डॉ केके बाजपेई ने बताया कि एक विस्तृत मीटिंग उनके समूह की हो चुकी है और आगे सभी सदस्यों को अध्ययन करने के लिए कहा है। आने वाले समय में मीटिंग कर कार्य को आगे बढ़ाया जायेगा। उन्होने इस बात पर भी बल दिया कि शिक्षकों के मोरल को अप करने वाले फैसले लेने चाहिए न कि उन्हें हतोत्साहित एवं परेशान करने के। डॉ डीके श्रीवास्तव ने अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए दो मीटिंग पूरी कर लेने की जानकारी दी। महाविद्यालय के द्वारा अनेक ऐसे बिंदुओं को उन्होने रेखांकित किया जो बेस्ट प्रैक्टिसेज के अन्तर्गत रखे जा सकते हैं जैसे फाइनेंस कमिटी, हैंडशिप रोटशन, जेंडर सेंसटाइजेशन आदि। डॉक्टर संजीव शुक्ला ने सभी सदस्यों से सेल्फ

एसेसमेंट के कार्य एव क्वालिटी कल्चर की स्थापना हेतु अपनी पूरी शक्ति और संसाधन लगाकर पूरा करने का आवाहन किया और कहा कि इस प्रक्रिया से निश्चित ही कैंपस के भीतर क्वालिटी कल्चर की स्थापना को बल मिलेगा।

प्राचार्य श्री राकेश चन्द्र ने लगभग 3:30 घंटे चली इस मीटिंग में पधारने के लिए और सहभागिता के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक महोदय श्री रत्नाकर शुक्ला ने इस प्रकार की मीटिंग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस प्रकार के चिंतन मंथन से निश्चित ही ऐसा अमृत निकलेगा जो कॉलेज के लिए लाभकारी होगा। उन्होने कदम दर कदम मैनेजमेंट के सहयोग को रेंखांकित किया और आश्वस्त किया कि हर वक्त हर कदम पर प्रबंधक तंत्र साथ में रहेगा। प्रबंधक महोदय ने विद्यार्थियों के लिए फंड बनाने की बात कही जिससे गरीब व मेधावी छात्रों की आर्थिक मदद की जा सके और इसके लिए प्राचार्य श्री राकेश चन्द्र को निर्देशित किया।